



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 533 राँची, मंगलवार 29 आश्विन 1936 (श०)
21 अक्टूबर, 2014 (ई०)

विधि (विधान) विभाग

अधिसूचना
19 सितम्बर, 2014

संख्या-एल० जी०-05/2014-48लेज०--झारखण्ड विधान मंडल का निम्नलिखित अधिनियम, जिस पर राज्यपाल दिनांक-15 सितम्बर, 2014 को अनुमति दे चुके हैं, इसके द्वारा सर्वसाधारण की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है ।

झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर (संशोधन) अधिनियम, 2014

झारखण्ड मूल्यवर्द्धित-कर अधिनियम, 05 (झारखण्ड अधिनियम, 05, 2006) में संशोधन हेतु अधिनियम

एतद् द्वारा भारतीय गणतंत्र को पैंसठवें वर्ष में झारखण्ड विधान मंडल द्वारा निम्नलिखित रूप में अधिनियमित हो:-

1. संक्षिप्त नाम, प्रसार और प्रारंभ-

- (i) यह अधिनियम झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर (संशोधन) अधिनियम, 2014 कहा जायेगा।
- (ii) इसका विस्तार सम्पूर्ण झारखण्ड राज्य में होगा।

(iii) यह सरकार द्वारा सरकारी राजपत्र में अधिसूचना प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगा।

2. धारा 52 में संशोधन -

धारा 52 की उपधारा (2) के पश्चात कंडिका (i), कंडिका (ii) एवं कंडिका(iii) सहित एक नयी उपधारा (3) निम्नवत् जोड़ी जाएगी:-

(3)(i) जहाँ किसी अवधि या अनुवर्ती अवधि के लिए देय कर विरुद्ध समंजन हेतु किसी वित्तीय वर्ष के लिए कोई अधिकाई इनपुट टैक्स क्रेडिट अग्रेणित की जाती है एवं ऐसे क्रेडिट या उसका कोई भाग वर्ष के अंत से किसी कर अवधि जिसके लिए अधिकाई इनपुट टैक्स क्रेडिट की विवरणी 48 महीनों के पश्चात् भी असमंजित रह जाता है, तो व्यवसायी कर-निर्धारण, पुर्नकर-निर्धारण या आडिट कर-निर्धारण के पश्चात् ऐसे अधिकाई इनपुट टैक्स क्रेडिट की राशि की कर-वापसी हेतु विकल्प दे सकता है।

(3)(ii) जहाँ व्यवसायी उपधारा (3)(i) के अन्तर्गत कर-वापसी हेतु विकल्प देता है वह समय-सीमा के भीतर एवं विहित तरीके से विहित प्राधिकारी के समक्ष आवेदन समर्पित करेगा।

(3)(iii) इस उपधारा के अन्तर्गत कर-वापसी विहित तरीके एवं विहित शर्तों एवं बंधेज के साथ स्वीकृत किए जाएंगे।

3. धारा 53 में संशोधन-

धारा 53 की उपधारा (1) को निम्नवत् प्रतिस्थापित किया जाएगा-

(1) यदि किसी निबंधित व्यवसायी ने इस अधिनियम के अधीन यथापेक्षित विवरणी प्रस्तुत कर दी है और विवरणी में शून्य कर दर बिक्री के कारण व्यवसायी को कोई राशि कर-वापसी की जानी है या भारत की सीमा से निर्यात करने के दौरान हुए बिक्रय में व्यवसायी को प्रतिदेय कोई राशि दर्शायी गई है या केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1986 की धारा 6(A) के अन्तर्गत पड़ने वाले बिक्रियों के अलावे केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम की धारा-4 के अन्तर्गत राज्य के बाहर बिक्री की गयी हो या मालों को हस्तांतरण किया गया हो तो व्यवसायी दावे और अनुवर्ती निर्धारण की सत्यता साबित करने के लिए लंबित कर-निर्धारण, लेखा परीक्षा और जाँच पड़ताल किए जाने तक, अनन्तिम कर वापसी के लिए विहित प्रारूप में एवं विहित प्राधिकारी को आवेदन करेगा।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

बी0 बी0 मंगलमूर्ति,

सरकार के सचिव-सह-विधि परामर्शी

विधि (विधान) विभाग, झारखण्ड, राँची ।

अधिसूचना

19 सितम्बर, 2014

संख्या-एल० जी०-05/2014-49-लेज०-- झारखण्ड विधान मंडल द्वारा यथा पारित और राज्यपाल द्वारा दिनांक-15 सितम्बर, 2014 को अनुमत झारखण्ड मूल्यवर्द्धित कर (संशोधन) अधिनियम, 2014 का निम्नांकित अंग्रेजी अनुवाद झारखण्ड राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जिसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 348 के खंड (3) के अधीन उक्त अधिनियम का अंग्रेजी भाषा में प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

Jharkhand Value Added Tax (Amendment) Act, 2014

An Act to amend Jharkhand Value Added Tax Act, 2005 (Jharkhand Act 05, 2006)

Be it enacted in the sixty fifth year of the Republic of India by the state legislature in the following manner-

- 1. Short title, extent and commencement** – (i) This Act may be called the Jharkhand Value Added Tax (Amendment) Act, 2014.
(ii) It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.
(iii) It shall come into force w.e.f. date of its publication in the official gazette.

2. Amendment in section- 52

After sub-section (2) of Section 52, a new sub-section (3) alongwith clauses (i), (ii) & (iii) shall be added in the following manner:-

(3)(i) Where any excess input tax credit for a financial year is carried forward for adjustment against the tax due for subsequent tax period or periods and such credit or part thereof remains unadjusted even after a period of 24 months from the close of the year for tax period for which the return showing the excess input tax credit, the dealer may opt to claim refund of the amount of such excess input tax by way of assessment, re-assessment or audit assessment.

(3)(ii) Where a dealer opts for such refund under sub-section 3(i), he shall make an application to that effect to the prescribed authority within such time and such manner as may be prescribed.

(3)(iii) Any refund covered under this sub section shall be granted in such manner and subject to such conditions and restrictions as may be prescribed.

3. Amendment in section -53

The Sub-section (1) of Section 53 shall be substituted in the following manner:-

53 (1) If a registered dealer has filed any returns as required under this Act and the return shows any amount to be refundable to the dealer on account of Zero rated sales or in course of export out of the territory of India or sales outside the state falling under section 4 of the Central Sales Tax Act or transfer of goods otherwise than by way of sales falling under section 6A of the Central Sales Tax Act, 1956, the dealer may apply in the manner and in the form prescribed to the prescribed authority for grant of provisional refund pending assessment, audit and investigation to establish the correctness of the claim and consequent assessment if any.

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,
बी० बी० मंगलमूर्ति,
सरकार के सचिव-सह-विधि परामर्शी
विधि (विधान) विभाग, झारखण्ड, राँची ।